



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 126]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 6, 2013/ज्येष्ठ 16, 1935

No. 126]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 6, 2013/JYAISTHA 16, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 जून, 2013

विषय: यूरोपियन यूनियन चीन जन.गण., उक्रेन और कोरिया आर. पी. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्रेट के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत के संबंध में ।

फा. सं. 15/1009/2012-डीजीएडी.—यतः, समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली या पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) के अनुसार यूरोपियन यूनियन, कोरिया आर पी, उक्रेन और चीन जन.गण. (जिन्हें एतदपश्चात् “संबद्ध क्षेत्र/ देश” कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्रेट (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों के कथित पाटन का आरोप लगाते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष मै. दीपक नाइट्राइट लिमिटेड, पुणे (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) एक आवेदन पत्र दायर किया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क की वसूली करने के लिए पाटनरोधी जांच प्रारंभ करने हेतु अनुरोध किया है।

2. और यतः प्राधिकारी पाते हैं कि संबद्ध क्षेत्र/देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों के प्रथमदृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं और एतद्वारा, संबद्ध क्षेत्र/देशों से संबद्ध वस्तु के कथित पाटन तथा घरेलू उद्योग को उसके परिणामस्वरूप होने वाली क्षति, पाटनरोधी नियमावली के अनुसार किसी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि का अधिरोपण करने के लिए पाटनरोधी जांच प्रारंभ करते हैं जो, यदि अधिरोपित की गई तो, घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी ।

विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सोडियम नाइट्रेट है, जिसका रासायनिक यौगिक फार्मूला एनएएनओ है । यह लवण, जिसे चिली साल्टपीटर या पेरू साल्टपीटर के रूप में भी जाना जाता है, पानी में घुलनशील एक सफेद ठोस है । खनिज रूप में इसे नाइट्राटाइन, नाइट्राटाइट अथवा सोडा नाइट्रेट (जिसे एतदपश्चात् “संबद्ध वस्तु” अथवा “एस एन ए” भी कहा गया है) के रूप में भी जाना जाता है ।

4. सोडियम नाइट्राइट सफेद रंग का ठोस पदार्थ होता है। इस उत्पाद के कोई ज्ञात ग्रेड नहीं हैं। सोडियम नाइट्राइट को उर्वरक के रूप में प्रयोग किया जाता है क्योंकि इसमें नत्रजन उपलब्ध होता है जो पौधों की बढ़ोत्तरी के लिए अनिवार्य होता है। टिपिकल अनुप्रयोग जिसमें सोडियम नाइट्रेट का प्रयोग किया जा सकता है वे हैं उष्मा अन्तरण लवण एवं फलक्स, पोटैशियम, बेरियम के कई अन्य नाइट्रेट लवणों का निर्माण करने, कृषि रसायनों, बल्क मध्यवर्तियों, ग्लास का विनिर्माण, ब्लास्टिंग पावडर, स्लरी, डायनामाइट, माचिस, एफ एन एस और निष्पादन रसायन, चर्म परिस्करण रसायन, इमेजिंग एवं रंग मध्यवर्ती, भेषज मध्यवर्ती, रबड़ रसायन मध्यवर्ती आदि। सोडियम नाइट्राइट का विनिर्माण करने में सोडियम नाइट्रेट सह उत्पाद के रूप में प्राप्त होता है। अमोनिया, कैटालिस्ट की उपस्थिति में उच्च तापमान पर नाइट्रस आक्साइड में परिवर्तित होती है और तब नाइट्रस आक्साइड का अवशोषण कस्टिक सोडा में किया जाता है जिससे सोडियम नाइट्राइट और सोडियम नाइट्रेट प्राप्त होता है।

5. सोडियम नाइट्रेट को सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 31 के अन्तर्गत सीमा शुल्क शीर्ष सं० 31025000 के अन्तर्गत वर्गीकरण किया जाता है। तथापि, सीमाशुल्क एवं आईटीसी वर्गीकरण केवल संकेतक हैं और यह वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

6. आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद तथा संबद्ध क्षेत्र / देशों से निर्यातित संबद्ध उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अन्तर नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद तथा संबद्ध क्षेत्रों / देशों से निर्यातित संबद्ध उत्पाद के भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्म, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन, तथा प्रशुल्क वर्गीकरण आदि जैसे पैरामीटरों के रूप में तुलनीय गुणधर्म हैं। दोनों ही तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं ने दोनों का प्रयोग विनिमयशीलता की दृष्टि से किया है (कर रहे हैं) प्राधिकारी का यह विचार है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद तथा संबद्ध क्षेत्र/ देशों से निर्यातित संबद्ध उत्पाद दोनों समान वस्तुएं हैं।

घरेलू उद्योग का आधार

7. यह याचिका दीपक नाइट्राइट लिमि०, पुणे द्वारा दायर की गई है। भारत में जांच की अवधि के दौरान इस उत्पाद के दो अन्य ज्ञात उत्पादक हैं। रिकार्ड में उपलब्ध जानकारी के आधार पर प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि (क) आवेदनकर्ता का उत्पादन जांच की अवधि के दौरान भारतीय उत्पादन का प्रमुख अनुपात बनता है, और (ख) यह याचिका घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई है। उपर्युक्त की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 के आशय के अन्तर्गत घरेलू उद्योग बनता है और इस याचिका में नियम 5 तथा उसके अन्तर्गत बने नियमों में उल्लिखित शर्तों में आधार की प्रक्रिया को पूरा किया जाता है।

जांच की अवधि

8. प्राधिकारी ने जांच की अवधि पर अक्टूबर, 2011 से सितम्बर, 2012 तक के लिए विचार किया है। तथापि, क्षति विश्लेषण के लिए, विगत तीन वर्षों अर्थात् 2009-10, 2010-11, 2011-12 तथा जांच की अवधि के आंकड़ों पर भी विचार किया जाएगा।

अन्तर्ग्रस्त देश

9. वर्तमान जांच में अन्तर्ग्रस्त देश यूरोपियन यूनियन (ई यू), चीन जन.गण., कोरिया आर.पी तथा उक्रेन है।

सामान्य मूल्य

10. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि यूरोपियन यूनियन, चीन जन.गण., कोरिया आर पी तथा उक्रेन की घरेलू बाजार में व्याप्त कीमतों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के प्रयास किए गए। याचिकाकर्ता संबद्ध क्षेत्र / देशों में व्याप्त कीमतों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने में असमर्थ रहा और तृतीय देशों के लिए परिशुद्ध जानकारी भी उपलब्ध नहीं थी। उपर्युक्त के मद्देनजर, याचिकाकर्ता ने कच्चे माल की कीमत, संपरिवर्तन लागत, सर्वोत्तम उपभोग मानदण्ड, और तर्क संगत लाभ मार्जिन के लिए घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर आधारित निर्मित मूल्य अभिगम का प्रयोग करते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का दावा किया है। याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया है कि चीन जन गण. और उक्रेन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाए।

निर्यात कीमत

11. याचिकाकर्ता ने भारत में संबद्ध आयातों की मात्रा और मूल्य का आकलन करने के लिए द्वितीयक स्रोत से आयात आंकड़ों पर आधारित विचाराधीन उत्पाद की निर्यात कीमत प्रस्तुत की है। इस तरह परिकल्पित निर्यात कीमत का समायोजन समुद्री भाड़ा, सामुद्रिक बीमा, बैंक प्रभार, पत्तन एवं अन्तरदेशीय भाड़ा व्यय के लिए किया है।

पाटन मार्जिन

12. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। यह देखा जाता है कि पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम स्तर से बहुत अधिक है बल्कि यह तात्त्विक भी है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

13. याचिकाकर्ता में पाटन एवं वास्तविक क्षति से संबंधित विभिन्न पैरामीटरों की जानकारी प्रस्तुत की है, प्राधिकारी द्वारा जिसका विश्लेषण, प्रथम दृष्टया, यह दर्शाता है कि संबद्ध क्षेत्रों / देशों से आयातों

में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है, कुल आयातों और खपत तथा भारत में उत्पादन की तुलना में संबद्ध आयातों में वृद्धि हुई है और संबद्ध क्षेत्र/ देशों से विचाराधीन उत्पाद का निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया जा रहा है जिसके कारण इस उत्पाद का पाटन हो रहा है, संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे हैं, कीमत अधोरदन ने घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें बढ़ाने से वंचित कर दिया है, अतः, आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का निग्रहण हो रहा है और उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, माल सूची, लाभ, निवेश पर आवक तथा नकद लाभ के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में अपकर्ष हुआ है।

पाटनरोधी जांच की शुरुआत

14. प्राधिकार, उपर्युक्त के मद्देनजर, यूरोपियन यूनियन, चीन जन.गण., कोरिया आर पी और उक्रेन मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की अवस्थिति, मात्रा एवं प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी जांच प्रारंभ करते हैं।

सूचना का प्रस्तुतिकरण

15. संबद्ध क्षेत्र / देशों के सदस्य देशों के निर्यातकों, भारत स्थित उनके राजदूतावासों के जरिए उनकी सरकारों और इस जांच से संबद्ध भारत में ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/ एसोसिएशनों तथा घरेलू उद्योग को निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी को निम्नलिखित पते पर अपने विचारों से अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है:

निर्दिष्ट प्राधिकारी

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

भारत सरकार

उद्योग भवन

कक्ष सं0 240

नई दिल्ली - 110011

16. निर्दिष्ट प्राधिकारी नियमावली के नियम 6(5) तथा उसके अन्तर्गत बने नियमों के अनुरूप विचाराधीन उत्पाद के औद्योगिक प्रयोक्ताओं तथा उन प्रतिनिधिक उपभोक्ता संगठनों को भी अवसर प्रदान कर रहे हैं जो पाटन, क्षति तथा कारणात्मकता के संबंध में इस जांच से संगत सूचना प्रदान कर सकते हों। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच से संबंधित संगत प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित समय सीमा के अन्तर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी को कर सकता है

समय सीमा

17. वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना और सुनवाई हेतु कोई भी अनुरोध लिखित में भेजा जाना चाहिए जो प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिन के भीतर पहुंच जाना चाहिए। यह नोट किया जाए कि निर्धारित समय सीमा में विस्तार करने के किसी भी अनुरोध पर, चाहे वह कुछ भी हो, विचार नहीं किया जाएगा।

अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

18. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(7) में दी गई शर्तों के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे प्राधिकारी को प्रदान कराई गई किसी भी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सार प्रस्तुत करेंगे और ऐसी सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकार के विचार से यदि उक्त सूचना का सारांश प्रस्तुत करना संभव नहीं है तो प्राधिकारी को उसके कारणों का विवरण उपलब्ध कराया जाएगा। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उस सूचना तक पहुंच को मना करता है अथवा तर्क संगत अवधि के अंतर्गत आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराता है अथवा जांच में बाधा उत्पन्न करता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार से ऐसी सिफारिशें कर सकते हैं जिन्हें वे उचित समझें।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

19. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है। कोई भी हितबद्ध पक्षकार, यदि वह चाहता है तो, सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 5th June, 2013

Subject: Initiation of anti-dumping investigation pertaining to imports of Sodium Nitrate originating in or exported from European Union, China PR, Ukraine and Korea RP—reg.

F. No. 15/1009/2012-DGAD.—Whereas M/s Deepak Nitrite Limited, Pune (herein after referred to as the applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the Rules or the AD Rules), alleging dumping of imports of Sodium Nitrate (hereinafter referred to as the subject goods), originating in or exported from the European Union, China PR, Korea RP and Ukraine (hereinafter referred to as “subject territory/countries”) and requested the Authority for initiation of anti dumping investigation for levy of anti dumping duties on the subject goods.

2525 42/13-2

2. And whereas, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the subject territory/countries; injury to the domestic industry and causal link between dumping and the injury exists, and, therefore, hereby, initiates an anti dumping investigation into the alleged dumping of the subject goods from the subject territory/countries, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Anti Dumping Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of anti dumping duty which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

3. The product under consideration in the present petition is Sodium Nitrate, the chemical compound with the formula NaNO_3 . This salt, also known as Chile saltpeter or Peru saltpeter is a white solid which is very soluble in water. The mineral form is also known as nitratine, nitratite or soda niter; (hereinafter, also referred to as the “subject good” or “subject product” or “SNA”).

4. Sodium nitrate is a white solid which is very soluble in water. There are no known grades of the product. Sodium nitrate is used as a fertilizer because it contains available nitrogen which is essential for plant growth. Typical applications in which Sodium Nitrate can be used are Heat Transfer Salts and Flux, to manufacture various other Nitrate salts of Potassium & Barium, Agrochemicals, Bulk Intermediates, Manufacture of glass, Blasting powder, Slurry, Dynamite, Matches, FNS and Performance Chemicals, Leather Tanning Chemicals, Imaging and Colour Intermediates, Pharmaceutical Intermediates, Rubber Chemical Intermediates etc. Sodium Nitrate is derived as a co-product in the manufacture of Sodium Nitrite. Ammonia is converted into nitrous oxide at high temperature in presence of catalyst and the nitrous oxide is then absorbed in caustic soda to get Sodium Nitrite and Sodium Nitrate.

5. Sodium Nitrate is classified under customs heading 31025000 under Chapter 31 of the Customs Tariff Act. The Customs and ITC HS classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

6. The applicant has claimed that there is no known difference in subject product produced by the domestic industry and the subject product exported from the subject territory/countries. Both, the subject product produced by the petitioner and that exported from the subject territory/countries have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used (and are using) the two interchangeably. The Authority considers that the subject product produced by the petitioner and that exported from the subject territory/countries are like articles.

DOMESTIC INDUSTRY STANDING

7. The petition has been filed by M/s Deepak Nitrite Ltd, Pune. There are two more known producers of the product during the POI in India. Based on the information on record, the Authority has ascertained that (a) production of the applicant constitutes a major proportion in Indian production during the period of investigation; and (b) the petition has been made by the domestic industry. The Authority, after examining the above, determines that the petitioner constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2 of the Anti Dumping Rules, and the petition satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

PERIOD OF INVESTIGATION

8. The Authority has considered period of investigation (POI) from Oct, 2011 to Sept, 2012. However, for injury analysis, data of the previous three years, viz., 2009-10, 2010-11, 2011-12 and the POI will be considered.

COUNTRY INVOLVED

9. The countries involved in the present investigation are European Union (EU), China PR, Korea RP and Ukraine.

NORMAL VALUE

10. The petitioner has claimed that efforts were made to get information on prices prevailing in domestic market of EU, China PR, Korea RP and Ukraine. Petitioner has been unable to get any information of prices prevailing in the subject territory/countries and also accurate information was not available for third countries. In view of the above, the petitioner has claimed determination of normal value using constructed value approach based on the data of domestic industry for raw material price and conversion cost, best consumption norm and reasonable profit margin. Petitioner has also claimed that China PR and Ukraine should be treated as Non-Market Economies.

EXPORT PRICE

11. The petitioner has submitted export price for product under consideration based on import data from the secondary source to assess the volume and value of subject imports in India. The export price so calculated has been adjusted for ocean freight, marine insurance, bank charges, port and inland freight expenses.

DUMPING MARGIN

12. Considering the normal value and export price, dumping margins have been determined. It is seen that the dumping margin is not only beyond de-minimus levels but also substantial.

2525 5713-2

INJURY AND CAUSAL LINK

13. The petitioner has furnished information on various parameters relating to dumping and material injury, analysis of which by the Authority, prima facie, shows that the imports from the subject territory/countries have increased in absolute terms; subject imports have increased in relation to total imports and consumption and production in India and the product under consideration is being exported from the subject territory/countries below normal value resulting in dumping of the product; subject imports are undercutting the prices of domestic industry; price undercutting has prevented the domestic industry from increasing prices; imports are, thus, suppressing the prices of the domestic industry in the market and the performance of the domestic industry has deteriorated in terms of production, domestic sales, capacity utilization, market share, inventories, profits, return on investments and cash profits.

INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS

14. The Authority, in view of the foregoing, initiates anti-dumping investigation into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the European Union, China PR, Korea RP and Ukraine.

SUBMISSION OF INFORMATION

15. The exporters in the member countries of the subject territory/countries, their Governments through their Embassy in India, importers/users/associations in India known to be concerned with this investigation and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address:

The Designated Authority,
Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce,
Government of India,
Udyog Bhavan,
Room No. 240,
New Delhi – 110011

16. As per Rule 6(5) of the Rules supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the product under investigation and to representative consumer organizations, who can furnish information relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation to the Designated Authority within the time limit set out below.

TIME LIMIT

17. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of the Initiation Notification. It may be noted that no request, whatsoever, shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

SUBMISSION OF INFORMATION ON NON-CONFIDENTIAL BASIS

18. In terms of Rule 6(7) of the Rules, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reasons thereof, is required to be provided to the Authority. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated Authority may record findings on the basis of the facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

INSPECTION OF PUBLIC FILE

19. In terms of Rule 6(7) of the Rules, the Designated Authority maintains a public file containing the non-confidential version of the evidence submitted by the interested parties. Any interested party may inspect the public file, if so desired.

J. S. DEEPAK, Designated Authority